

गर्ह्य (wie eben) 1) adj. *Tadel verdienend, tadelhaft* AK. 3, 2, 4. 3, 4, 18, 130. 24, 164. H. 1442. गर्ह्या क्षेष द्विविकसाम् R. 5, 81, 31. गर्ह्ये कुर्या-
दुभे कुले M. 5, 149. गर्ह्यवृत्ति RĀGA-TAR. 5, 338. कर्मन् BHĀG. P. 1, 19, 1.
गर्ह्यवादिन् AK. 3, 1, 37. बहुगर्ह्यवाच् adj. 36. — 2) m. Name eines
Baumes (?) KAUC. 8.

1. गल्, गलति 1) *herabträufeln* VOP. im Dhātup. 15, 39. गलत्पयी —
वाष्पाम्बुविन्द्वः KATHĀS. 11, 57. गात्राणि गलत्स्वेदजलानि BRABMA-P.
59, 11. गलत्कुष्ठ (gehört vielleicht zu 2; vgl. गलितकुष्ठ) BHART. 1, 89.
वाष्पेण संस्पृष्टं नोल्पत्सं (das dunkle Häutchen, welches das blinde
Auge bedeckte) चतुर्भ्यां मन्दं मन्दमगलत् PĀNĀT. 262, 22. गलद्वाप्य VID.
155. यस्यास्यकमलगलितं वाञ्छयममृतं जगत्पिबति HARIV. 2. प्रच्छ्वात-
गलिताश्रुविन्दुभिः RAGH. 19, 22. AMAR. 26. 91. अत्रोद्यैः — गलिताङ्गा-
गैः (beim Bade) RAGH. 16, 58. — 2) *herabfallen, abfallen*: प्रतोदा जगलुः
(sc. कृस्तेभ्यः) BHATT. 14, 99. मुसलाद्यगलिततः 17, 87. गलती रमना RAGH.
7, 10. गलद्गम्मिष्ठ Gīt. 2, 21. गलन्माल्य PRAB. 40, 3. निगमकल्परोग-
लितं फलम् BHĀG. P. 1, 1, 3. गलितं वसनम् Çiç. 9, 75. SĀH. D. 62, 4. बर्ह
MEGH. 45. बन्धन KĀURAP. 17. AK. 3, 2, 53. H. 1490. — 3) *wegfallen, ver-
schwinden, verstreichen* Verz. d. B. H. No. 45. एतस्यां निशि गलद्दधायाम्
DAÇAK. 177, 13. गलितं *verschwunden, gewichen, nicht vorhanden, feh-
lend*: गलितनयन HIT. 18, 7. °नखदत्त 10, 22. °एककृस्त DHŪRTAS. 94, 9.
°वयस् RAGH. 3, 70. यौवन BHART. 1, 69. 2, 46. °विभव 36. देहाभिमान BĪ-
LAB. 31. °त्रया SĀH. D. 45, 5. घारद् BHATT. 5, 43. विद्यो प्रमादगलिताम्
uem Gedächtniss entschwinden KĀURAP. 1. — CAUS. 1) *herabträufeln
lassen, abgiessen*: स्यात्त्यान्मण्डमगलयत् DAÇAK. 156, 2. तथा पचेद्यथा
अगलितमण्डलरुर्भवति KĀLEÇI im ÇKDR. u. गलित. — 2) *vom Wasser
befreien, abseihen*: सर्वाणि चूर्णितानीह गलितानि विमिश्रयेत् SUÇR. 1,
165, 18. — 3) *flüssig machen, auflösen, schmelzen*: तौ भागौ तत्कषयिणा
गालयेत् SUÇR. 1, 166, 6. मूत्रेण 2, 117, 8. तौरौ ऽवोमूत्रगलितः 34, 9. गा-
लितस्य मुवर्षस्य RATNĀV. im ÇKDR. u. गलित. — 4) गल्, गलयते =
स्रवणे DHĀTUP. 33, 26.

— अत्र *herabfallen*: सौवर्णं वलयमत्रगलत्कारायात् Çiç. 8, 34. उरुभया-
वगलितो योनिर्निर्गतो गर्भः स्रोतसि निपपात BHĀG. P. 5, 8, 3. गवानस्रति
प्रातश्चीनलो ऽवागलद्विजः RĀGA-TAR. 5, 423.

— अत्र *herabfallen, herabsinken*: वर्षाम्बुविल्लितं पद्ममगलितं यथा
MBH. 1, 5412. अगलितकेशात् 7, 555. पाश्चात्तदगलितकारः — योषितः R.
5, 13, 34.

— पर्या *ringsum herabträufeln*: पत्रात्पर्यागलदृक्कविन्दुः — तौरतरुः
BHATT. 2, 4.

— समा *zusammenstürzen*: प्राकम्पत स शैलराट् । मुमोच पुष्पवर्षं च
ममगलितपादपः ॥ MBH. 1, 1409.

— उद् *hervorträufeln*: न्यरुन्धनुद्गलद्वाप्यमौत्वाद्यात् BHĀG. P. 1, 10,
14.

— नि (?) *herabfallen* BHART. Suppl. 16.

— निस् *herausträufeln, herausfließen*: निर्गलिताम्बुगर्भं शरद्हनम् RAGH.
5, 17.

— परि 1) *ringsum herabfallen*: मन्दाहयः परिगलिताग्रसानवः MBH.
1, 1183. — 2) *etnsinken*: पङ्कपरिगलितचरणभङ्गं कृत्वा PĀNĀT. 8, 17.

— वि 1) *sich ergiessen, entfließen, versiegen*: विगलितमेघ MBH. 1,

1182. विगलितं चाम्बरात्तरम् 1435. विगलदश्रुजल KĀURAP. 28. Çiç. 9.
11. विगलन्मकरन्द PRAB. 79, 16. दान्तिणोद्योदकवादिर्ना विगलिता *ist ver-
siegt* MRĀKH. 130, 20. *schmelzen, auseinandergehen*: कामाग्निव संतप्तः
स्वित्रो विगलितः स च KATHĀS. 18, 78. विगलितलज्जितजगत् Gīt. 1, 31:
Sch. 1 erklärt विगलित durch शिथिलावयव, Sch. 2: विगलिता (siehe
unter 3.) लज्जा यस्य. — 2) *umstürzen, herabfallen, herausfallen*: मन्दा-
वनमिव च्छिन्नं शिष्ये विगलतद्रुमम् MBH. 4, 826. विगलितधज R. 6, 73.
36. विगलच्छूमीमन्त्रितम्बाम्बर AMAR. 36. विगलितवसन Gīt. 3, 13. °नाल
4, 14. रतिविगलितबन्धे केशपाशे VIKR. 83. RAGH. 9, 67. जालात्पुनर्विग-
लितो (मत्स्यः) गलितो (von 2. गल्) वकेन PĀNĀT. II, 87. — 3) *verrin-
nen* so v. a. *schwinden, weichen*: विपोगामि विगलज्जीवितो (auch *schmel-
zend*) ऽभवत् KATHĀS. 7, 75. विगलन्मान BHATT. 8, 40. गतिर्विगलिता
BHART. 3, 74. विगलितविवेक 7. पुरुषवद्गमान 10. AMAR. 38. °शुच् MEGH.
89. ad 113. °लज्जा Gīt. 6, 8. अविगलितपरमभक्ति BHĀG. P. 5, 1, 27.

2. गल्, गलति *essen* DHĀTUP. 15, 39. *verschlingen* (vgl. 2. गारु): (मत्स्यः)
जालात्पुनर्विगलितो गलितो (गलितो?) वकेन PĀNĀT. II, 87.

गल 1) m. P. 8, 2, 21, Sch. a) (von 2. गारु) *Kehle, Hals* AK. 2, 6, 3, 39.
H. 588. an. 2, 484. MED. I. 13. SUÇR. 1, 33, 1. 128, 10. यो गले चापमुत्पा-
दयति 153, 6. 156, 9. 2, 132, 15. गलं प्रीयो तथैव च MBH. 14, 568. गदद-
गल BHART. 3, 22. अन्तर्गलगत *in der Kehle stecken geblieben* PĀNĀT.
263, 10. गले बद्धः GOBH. 4, 2, 29. बद्धा गले शिलाम् MBH. 3, 1030. PĀNĀT.
249, 9. गले गृहीत्वा निप्तो ऽस्मि वरुणेन MBH. 13, 7253. 3, 8889. MRĀKH.
126, 2. गलमोहनपूर्वं विनाशिता ÇUR. 43, 4. अनागलस्तन PĀNĀT. III, 265.
— HIP. 2, 4. BHART. 1, 63. PĀNĀT. 63, 7. VARĀH. BRH. S. 9, 42. 50, 8. AMAR.
88. KATHĀS. 6, 59. 25, 181. BHĀG. P. 1, 18, 38. 6, 11, 17. Am Ende eines
adj. comp. f. आ gaṇa क्रोडादि zu P. 4, 1, 56. आ und ई gaṇa बद्धादि
zu 45. — b) (von 1. गल्) *Harz*, insbes. *das der Shorea robusta* ROZB.
H. an. MED. — c) *eine Art Goldforelle*, = गडुक ÇABDAR. im ÇKDR. —
d) *ein best. musikalisches Instrument* ebend. — e) *Schilf*. — f) *Strick*.
— Zu den beiden letzten Bedd. vgl. गल्या. — 2. f. आ *eine best. Pflanze*
(घ्नलम्बुषा) BHĀVAPR. im ÇKDR.

गलक (von गल्) m. 1) *Kehle, Hals* VARĀH. BRH. S. 64, 7. — 2) = गन्
1, c. ÇABDAR. im ÇKDR.

गलकम्बल (गल + क^०) m. *Wamme, palear* AK. 2, 9, 63. H. 1264.
गो^० Uṇ. 3, 15.

गलगण्ड (गल + गण्ड) 1) *Hals und Wange oder Adamsapfel*: गन्-
गाण्डाभिधातेन सस्फुलिङ्गेन चाशनिम् (कृत्वा) von zwei Kämpfern MBH.
2, 902. — 2) m. *Kropf* SUÇR. 1, 82, 10. 90, 17. 288, 15. 326, 10. 2, 105, 17.
°नघ्नः DHŪRTAS. 94, 8. = गण्डनाला H. 467.

गलगण्डिन् (von गलगण्ड) adj. *mit einem Kropf behaftet* SUÇR. 1,
289, 6.

गलगोलिन् (गल + गोलि) m. oder °लो f. *eine Art Schlange* SUÇR. 2,
263, 19. 289, 21.

गलग्रह (गल + ग्रह) m. 1) *Zusammenschnürung der Kehle* (eine
Krankheit) MBH. 12, 11267. SUÇR. 1, 173, 5. 2, 273, 11. 413, 17. VARĀH.
BRH. S. 31, 17. — 2) *ein best. Fisch, ericht* ÇABDAR. im ÇKDR. — 3) *Bez.
bestimmter Tage in der dunklen Hälfte eines Monats*: कृष्णपक्षे चतुर्थी च
सप्तम्यादिदिनत्रयम् । त्रयोदशीचतुर्थी च अष्टावते गलग्रहाः ॥ NĪRADA im